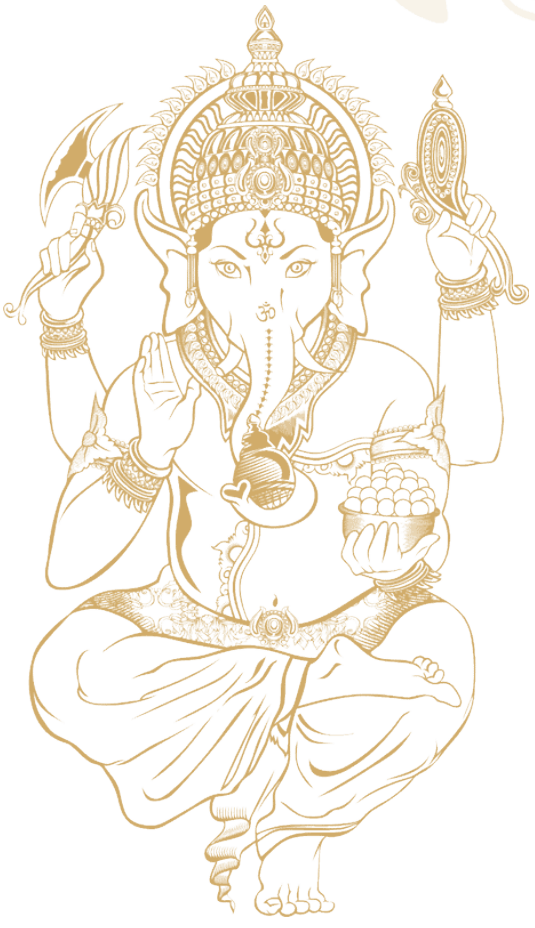

Mr.deepak

24 Jun 1988

01:40 PM

Delhi

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121922101

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
24/06/1988	जन्म तिथि	**25/06/2026**
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 13:40:00	जन्म समय	07:29:58 घंटे
घटी 20:38:19	जन्म समय(घटी)	05:12:39 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:40	सूर्योदय	05:24:54
19:22:23	सूर्यास्त	19:22:29
23:41:49	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:45
कन्या	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
तुला	राशि	तुला
शुक्र	राशि-स्वामी	शुक्र
चित्रा	नक्षत्र	स्वाति
मंगल	नक्षत्र स्वामी	राहु
3	चरण	3
परिघ	योग	शिव
तैतिल	करण	विष्टि
रा-राकेश	जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मृग
38	गत/तत्कालिक वर्ष	39

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	1	25:59:43	कन्या			लग्न			कर्क	05:37:19	1	पुष्य
आर्द्रा	1	09:19:58	मिथु			सूर्य			मिथु	09:19:57	1	आर्द्रा
चित्रा	3	00:40:59	तुला			चंद्र			तुला	15:29:51	3	स्वाति
पू०भाद्रपद	2	26:16:47	कुंभ			मंगल			वृष	03:06:13	2	कृतिका
मृगशिरा	1	24:28:05	वृष	व	अ	बुध			कर्क	01:12:00	4	पुनर्वसु
कृतिका	2	00:58:48	वृष			गुरु			कर्क	04:40:31	1	पुष्य
रोहिणी	4	22:18:24	वृष	व		शुक्र			कर्क	19:13:10	1	आश्लेषा
मूल	2	05:15:59	धनु	व		शनि			मीन	19:40:34	1	रेवती
पू०भाद्रपद	2	23:32:40	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	07:31:59	1	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	4	23:32:40	सिंह	व		केतु	व		सिंह	07:31:59	3	मघा
मूल	2	05:11:19	धनु	व		मु			वृश्चि	25:59:43	3	ज्येष्ठा

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:45

लग्न-चलित

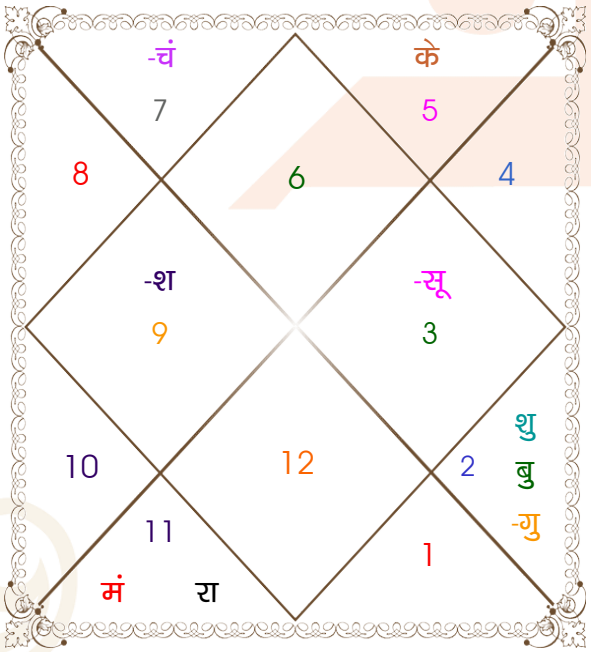

वर्ष लग्न कुंडली

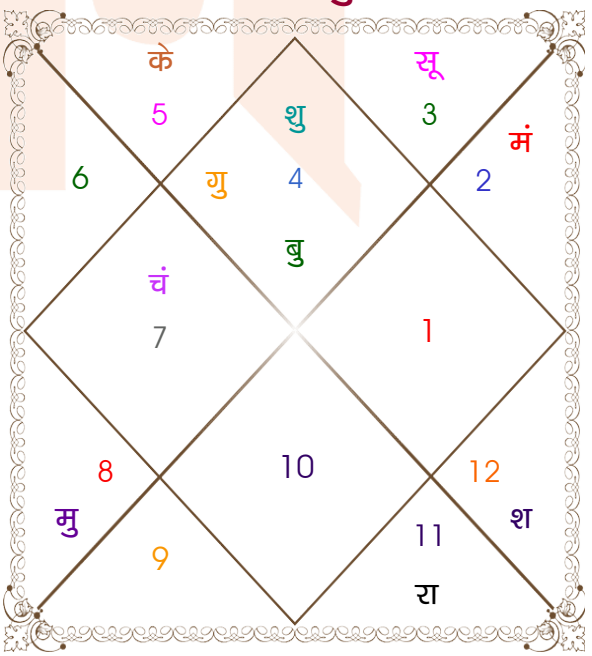

चन्द्र कुंडली

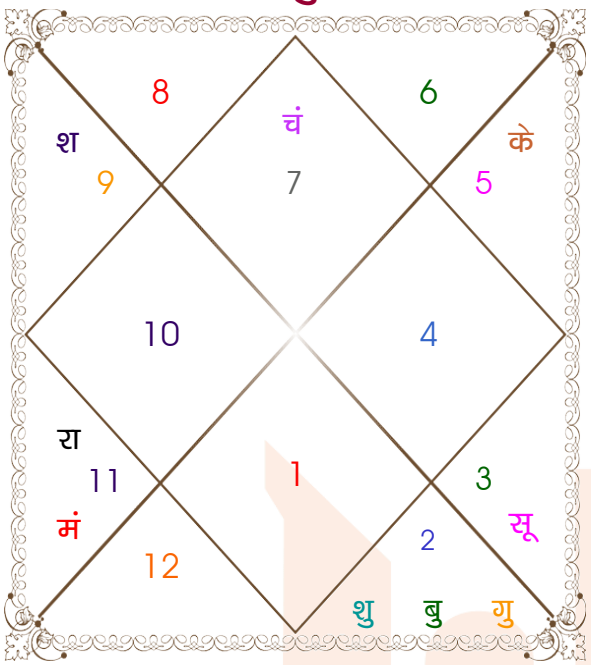

वर्ष चन्द्र कुंडली

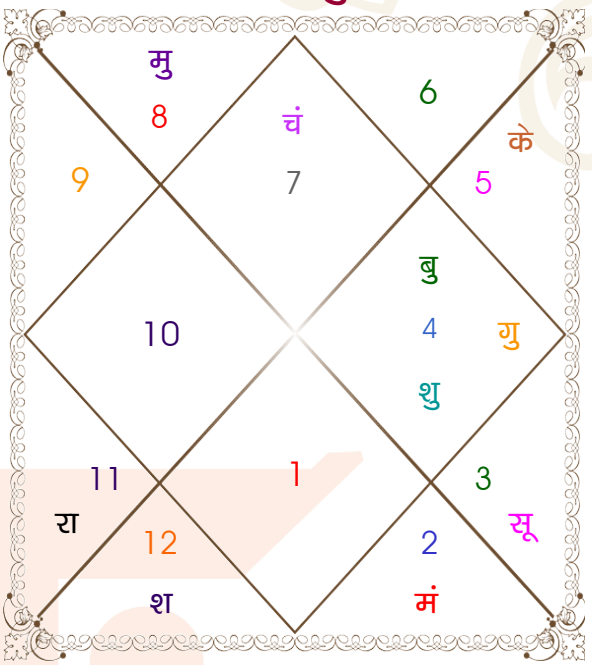

नवमांश कुंडली

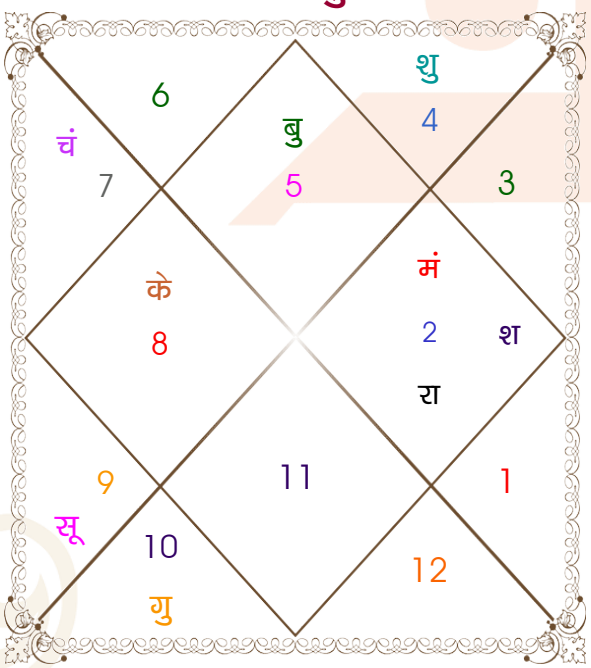

वर्ष नवमांश कुंडली

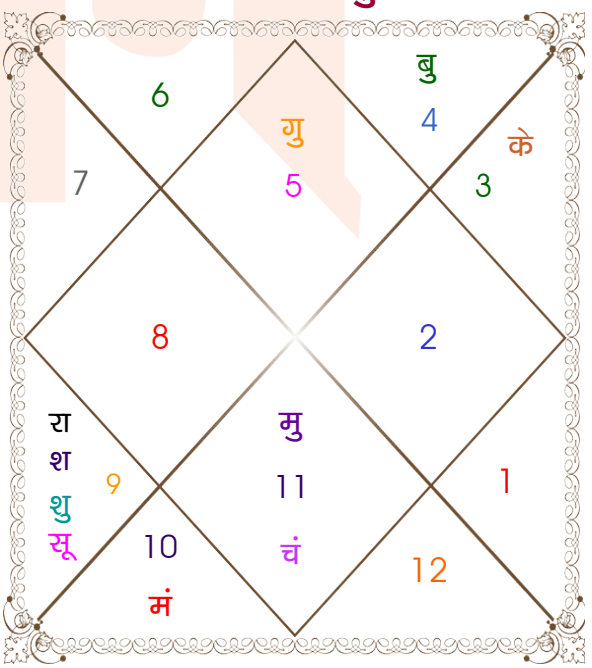

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु
चन्द्र	मित्र	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	सम	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	सम	शत्रु	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	मित्र
शनि	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कर्क	मिथु	तुला	वृष	कर्क	कर्क	कर्क	मीन
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	वृष	धनु	कुंभ	कन्या	वृष	वृष	कन्या	मीन
चतुर्थांश	कर्क	कन्या	मेष	वृष	कर्क	कर्क	मक	कन्या
पंचमांश	वृष	कुंभ	धनु	वृष	वृष	वृष	मक	मक
षष्ठांश	वृश्चि	वृष	कर्क	तुला	तुला	तुला	मक	मक
सप्तमांश	कुंभ	सिंह	मक	वृश्चि	मक	कुंभ	वृष	मक
अष्टमांश	वृष	कर्क	सिंह	सिंह	मेष	वृष	कन्या	तुला
नवमांश	सिंह	धनु	कुंभ	मक	कर्क	सिंह	धनु	धनु
दशमांश	मेष	कन्या	मीन	कुंभ	मीन	मेष	कन्या	वृष
एकादशांश	सिंह	सिंह	कुंभ	वृष	मिथु	कर्क	मक	कन्या
द्वादशांश	कन्या	कन्या	मेष	मिथु	कर्क	सिंह	कुंभ	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
होरा	स्व	स्व	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
द्रेष्काण	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
चतुर्थांश	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
पंचमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व
षष्ठांश	सम	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व
सप्तमांश	स्व	सम	स्व	मित्र	मित्र	स्व	स्व
अष्टमांश	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
नवमांश	सम	सम	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
दशमांश	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
एकादशांश	स्व	सम	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र	मित्र
द्वादशांश	सम	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	मित्र
शुभ	4	3	10	3	2	6	11
सम	7	6	2	0	2	1	0
अशुभ	1	3	0	9	8	5	1
कुल	शुभ	सम	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	5	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	5	0	0
तृतीय बल	5	0	5	5	0	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	0	10	10	10	5	5
बल	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	सामान्य	सामान्य	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	7.50	22.50	7.50	7.50	7.50	22.50
उच्च बल	13.41	1.94	9.43	11.80	19.96	7.53	3.37
हददा बल	7.50	3.75	11.25	11.25	11.25	3.75	11.25
द्रेष्काण	5.00	5.00	7.50	2.50	2.50	2.50	7.50
नवमांश	2.50	2.50	3.75	1.25	2.50	1.25	3.75
कुल	43.41	20.69	54.43	34.30	43.71	22.53	48.37
विंशोपक	10.85	5.17	13.61	8.57	10.93	5.63	12.09
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	सामान्य	शुभ	सामान्य	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	बुध	8.57	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	चंद्र	5.17	अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	13.61	शुभ	मंगल
दिवापति	बुध	8.57	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शुक्र	5.63	दृष्टि नहीं	

पात्यंश दशा

बुध		मंगल		गुरु		लग्न		सूर्य	
25/06/2026		**17/07/2026**		**21/08/2026**		**20/09/2026**		**07/10/2026**	
17/07/2026		**21/08/2026**		**20/09/2026**		**07/10/2026**		**15/12/2026**	
बुध	26/06/2026	मंगल	21/07/2026	गुरु	24/08/2026	लग्न	20/09/2026	सूर्य	20/10/2026
मंगल	28/06/2026	गुरु	23/07/2026	लग्न	25/08/2026	सूर्य	24/09/2026	चंद्र	11/11/2026
गुरु	30/06/2026	लग्न	25/07/2026	सूर्य	31/08/2026	चंद्र	29/09/2026	शुक्र	24/11/2026
लग्न	01/07/2026	सूर्य	01/08/2026	चंद्र	09/09/2026	शुक्र	03/10/2026	शनि	25/11/2026
सूर्य	05/07/2026	चंद्र	12/08/2026	शुक्र	14/09/2026	शनि	03/10/2026	बुध	30/11/2026
चंद्र	12/07/2026	शुक्र	18/08/2026	शनि	15/09/2026	बुध	04/10/2026	मंगल	06/12/2026
शुक्र	17/07/2026	शनि	19/08/2026	बुध	17/09/2026	मंगल	06/10/2026	गुरु	12/12/2026
शनि	17/07/2026	बुध	21/08/2026	मंगल	20/09/2026	गुरु	07/10/2026	लग्न	15/12/2026

चंद्र		शुक्र		शनि		शनि		शनि	
15/12/2026		**08/04/2027**		**17/06/2027**		**17/06/2027**		**17/06/2027**	
08/04/2027		**17/06/2027**		**25/06/2027**		**25/06/2027**		**25/06/2027**	
चंद्र	20/01/2027	शुक्र	22/04/2027	शनि	17/06/2027	शनि	17/06/2027	शनि	17/06/2027
शुक्र	11/02/2027	शनि	23/04/2027	बुध	17/06/2027	बुध	17/06/2027	बुध	17/06/2027
शनि	13/02/2027	बुध	27/04/2027	मंगल	18/06/2027	मंगल	18/06/2027	मंगल	18/06/2027
बुध	20/02/2027	मंगल	04/05/2027	गुरु	19/06/2027	गुरु	19/06/2027	गुरु	19/06/2027
मंगल	03/03/2027	गुरु	10/05/2027	लग्न	19/06/2027	लग्न	19/06/2027	लग्न	19/06/2027
गुरु	12/03/2027	लग्न	13/05/2027	सूर्य	21/06/2027	सूर्य	21/06/2027	सूर्य	21/06/2027
लग्न	18/03/2027	सूर्य	26/05/2027	चंद्र	23/06/2027	चंद्र	23/06/2027	चंद्र	23/06/2027
सूर्य	08/04/2027	चंद्र	17/06/2027	शुक्र	25/06/2027	शुक्र	25/06/2027	शुक्र	25/06/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

गुरु		शनि		बुध		केतु		शुक्र	
25/06/2026		13/08/2026		09/10/2026		30/11/2026		21/12/2026	
13/08/2026		09/10/2026		30/11/2026		21/12/2026		20/02/2027	
गुरु	01/07/2026	शनि	22/08/2026	बुध	17/10/2026	केतु	01/12/2026	शुक्र	01/01/2027
शनि	09/07/2026	बुध	30/08/2026	केतु	20/10/2026	शुक्र	05/12/2026	सूर्य	04/01/2027
बुध	16/07/2026	केतु	02/09/2026	शुक्र	28/10/2026	सूर्य	06/12/2026	चंद्र	09/01/2027
केतु	19/07/2026	शुक्र	12/09/2026	सूर्य	31/10/2026	चंद्र	08/12/2026	मंगल	12/01/2027
शुक्र	27/07/2026	सूर्य	15/09/2026	चंद्र	04/11/2026	मंगल	09/12/2026	राहु	21/01/2027
सूर्य	29/07/2026	चंद्र	20/09/2026	मंगल	07/11/2026	राहु	12/12/2026	गुरु	29/01/2027
चंद्र	02/08/2026	मंगल	23/09/2026	राहु	15/11/2026	गुरु	15/12/2026	शनि	08/02/2027
मंगल	05/08/2026	राहु	02/10/2026	गुरु	22/11/2026	शनि	18/12/2026	बुध	17/02/2027
राहु	13/08/2026	गुरु	09/10/2026	शनि	30/11/2026	बुध	21/12/2026	केतु	20/02/2027

सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु		राहु	
20/02/2027		11/03/2027		10/04/2027		01/05/2027		01/05/2027	
11/03/2027		10/04/2027		01/05/2027		25/06/2027		25/06/2027	
सूर्य	21/02/2027	चंद्र	13/03/2027	मंगल	11/04/2027	राहु	09/05/2027	राहु	09/05/2027
चंद्र	23/02/2027	मंगल	15/03/2027	राहु	14/04/2027	गुरु	17/05/2027	गुरु	17/05/2027
मंगल	24/02/2027	राहु	19/03/2027	गुरु	17/04/2027	शनि	25/05/2027	शनि	25/05/2027
राहु	27/02/2027	गुरु	23/03/2027	शनि	21/04/2027	बुध	02/06/2027	बुध	02/06/2027
गुरु	01/03/2027	शनि	28/03/2027	बुध	24/04/2027	केतु	05/06/2027	केतु	05/06/2027
शनि	04/03/2027	बुध	02/04/2027	केतु	25/04/2027	शुक्र	15/06/2027	शुक्र	15/06/2027
बुध	06/03/2027	केतु	03/04/2027	शुक्र	28/04/2027	सूर्य	17/06/2027	सूर्य	17/06/2027
केतु	07/03/2027	शुक्र	08/04/2027	सूर्य	29/04/2027	चंद्र	22/06/2027	चंद्र	22/06/2027
शुक्र	11/03/2027	सूर्य	10/04/2027	चंद्र	01/05/2027	मंगल	25/06/2027	मंगल	25/06/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - बुध		शनि - शनि - केतु		शनि - शनि - शुक्र		शनि - शनि - सूर्य	
05/02/2026 10:30		11/07/2026 02:24		13/09/2026 04:42		15/03/2027 07:53	
11/07/2026 02:24		13/09/2026 04:42		15/03/2027 07:53		09/05/2027 06:26	
बुध	27/02/2026 11:45	केतु	14/07/2026 20:08	शुक्र	13/10/2026 17:14	सूर्य	18/03/2027 01:48
केतु	08/03/2026 13:40	शुक्र	25/07/2026 12:31	सूर्य	22/10/2026 20:59	चंद्र	22/03/2027 15:41
शुक्र	03/04/2026 12:19	सूर्य	28/07/2026 17:26	चंद्र	07/11/2026 03:15	मंगल	25/03/2027 20:36
सूर्य	11/04/2026 07:07	चंद्र	03/08/2026 01:37	मंगल	17/11/2026 19:38	राहु	03/04/2027 02:23
चंद्र	24/04/2026 06:27	मंगल	06/08/2026 19:21	राहु	15/12/2026 06:55	गुरु	10/04/2027 10:11
मंगल	03/05/2026 08:22	राहु	16/08/2026 10:06	गुरु	08/01/2027 16:56	शनि	19/04/2027 02:58
राहु	26/05/2026 16:45	गुरु	24/08/2026 23:13	शनि	06/02/2027 16:51	बुध	26/04/2027 21:45
गुरु	16/06/2026 10:52	शनि	04/09/2026 02:47	बुध	04/03/2027 15:30	केतु	30/04/2027 02:40
शनि	11/07/2026 02:24	बुध	13/09/2026 04:42	केतु	15/03/2027 07:53	शुक्र	09/05/2027 06:26

शनि - शनि - चंद्र		शनि - शनि - मंगल		शनि - शनि - राहु		शनि - शनि - गुरु	
09/05/2027 06:26		08/08/2027 20:01		11/10/2027 22:20		24/03/2028 17:59	
08/08/2027 20:01		11/10/2027 22:20		24/03/2028 17:59		18/08/2028 06:08	
चंद्र	16/05/2027 21:34	मंगल	12/08/2027 13:45	राहु	05/11/2027 15:41	गुरु	13/04/2028 06:48
मंगल	22/05/2027 05:45	राहु	22/08/2027 04:30	गुरु	27/11/2027 15:06	शनि	06/05/2028 11:32
राहु	04/06/2027 23:24	गुरु	30/08/2027 17:36	शनि	23/12/2027 17:25	बुध	27/05/2028 05:39
गुरु	17/06/2027 04:24	शनि	09/09/2027 21:10	बुध	16/01/2028 01:48	केतु	04/06/2028 18:45
शनि	01/07/2027 16:21	बुध	18/09/2027 23:06	केतु	25/01/2028 16:33	शुक्र	29/06/2028 04:47
बुध	14/07/2027 15:41	केतु	22/09/2027 16:50	शुक्र	22/02/2028 03:49	सूर्य	06/07/2028 12:35
केतु	19/07/2027 23:52	शुक्र	03/10/2027 09:13	सूर्य	01/03/2028 09:36	चंद्र	18/07/2028 17:36
शुक्र	04/08/2027 06:08	सूर्य	06/10/2027 14:08	चंद्र	15/03/2028 03:14	मंगल	27/07/2028 06:42
सूर्य	08/08/2027 20:01	चंद्र	11/10/2027 22:20	मंगल	24/03/2028 17:59	राहु	18/08/2028 06:08

शनि - बुध - बुध		शनि - बुध - केतु		शनि - बुध - शुक्र		शनि - बुध - सूर्य	
18/08/2028 06:08		04/01/2029 12:46		02/03/2029 21:09		13/08/2029 17:41	
04/01/2029 12:46		02/03/2029 21:09		13/08/2029 17:41		01/10/2029 21:26	
बुध	06/09/2028 23:40	केतु	07/01/2029 21:04	शुक्र	30/03/2029 04:35	सूर्य	16/08/2029 04:40
केतु	15/09/2028 02:39	शुक्र	17/01/2029 10:28	सूर्य	07/04/2029 09:12	चंद्र	20/08/2029 06:59
शुक्र	08/10/2028 07:46	सूर्य	20/01/2029 07:17	चंद्र	21/04/2029 00:55	मंगल	23/08/2029 03:48
सूर्य	15/10/2028 06:54	चंद्र	25/01/2029 01:59	मंगल	30/04/2029 14:19	राहु	30/08/2029 12:46
चंद्र	26/10/2028 21:27	मंगल	28/01/2029 10:16	राहु	25/05/2029 04:11	गुरु	06/09/2029 02:04
मंगल	04/11/2028 00:26	राहु	06/02/2029 00:43	गुरु	16/06/2029 00:32	शनि	13/09/2029 20:52
राहु	24/11/2028 21:50	गुरु	13/02/2029 16:14	शनि	11/07/2029 23:11	बुध	20/09/2029 20:00
गुरु	13/12/2028 11:31	शनि	22/02/2029 18:10	बुध	04/08/2029 04:17	केतु	23/09/2029 16:49
शनि	04/01/2029 12:46	बुध	02/03/2029 21:09	केतु	13/08/2029 17:41	शुक्र	01/10/2029 21:26

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

मासिक फलादेश

प्रथम मास

25/06/2026 07:29:58 से 26/07/2026 18:15:54 तक

यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्पूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र सुख तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे मन से स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगे एवं शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवता तथा ब्राहमण के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिपूर्वक इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी एवं मानसिक चिन्ताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं।साथ ही अन्य प्रकार के सुखों को अर्जित करने में भी आप सफल रहंगे।

द्वितीय मास

26/07/2026 18:15:54 से 27/08/2026 00:32:44 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास
27/08/2026 00:32:44 से 26/09/2026 20:59:00 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास
26/09/2026 20:59:00 से 27/10/2026 05:03:48 तक

यह मास आपके लिए समान्यता अशुभ रहेगा। इस समय आपको शत्रुओं से भय बना रहेगा तथा मन में चिन्ता व्याप्त रहेगी साथ ही आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। इस समय आप अनावश्यक रूप से धन व्यय करेंगे एवं धर्म के प्रति भी आपके मन की श्रद्धा में अल्पता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक व्याकुलता प्राप्त करेंगे परिणामतः आपके शारीरिक बल में भी न्यूनता आएगी तथा आपको दुर्बलता का आभास होगा। इसके साथ ही इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकते हैं। अपने सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप प्रायः असफल ही रहेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी शिथिल होंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी जाने अनजाने सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में मान हानि हो सकती है। इसके साथ ही आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार से हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

पंचम् मास
27/10/2026 05:03:48 से 26/11/2026 01:37:44 तक

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी

अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास
26/11/2026 01:37:44 से 25/12/2026 14:28:06 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास
25/12/2026 14:28:06 से 24/01/2027 01:14:57 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में

श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशाक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
24/01/2027 01:14:57 से 22/02/2027 16:08:04 तक

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
22/02/2027 16:08:04 से 24/03/2027 16:19:35 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्य मान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का

पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
24/03/2027 16:19:35 से 24/04/2027 04:44:07 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश मास
24/04/2027 04:44:07 से 25/05/2027 05:03:50 तक

इस महीने में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा सामाजिक एवं पारिवारिक जनों से यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित करेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे एवं वांछित लाभ भी

प्राप्त होगा। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। आपके शुभ कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए तत्पर रहेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे एवं बन्धु तथा मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप की मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अल्प मात्रा में अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा की दृष्टि से मास में पूर्ण सतर्क रहें तथा अन्य कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

द्वादश मास
25/05/2027 05:03:50 से 25/06/2027 13:40:41 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे तथा शुभ फल अल्प मात्रा में होंगे। इस समय शत्रुपक्ष के प्रबल होने से उनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा चिन्तित भी रहेंगे।साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा विभिन्न प्रकार से व्यवधान आते रहेंगे।साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी परेशान रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्ट हो सकते है।साथ ही आपकी कोई दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में भी आप असफल रहेंगे तथा किसी मुकद्दमे आदि में धन हानि की भी संभावना रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।अतः सावधानी तथा बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में समय समय पर आप शुभ फल भी अर्जित कर सकेंगे। इसके प्रभाव से आप स्त्री का पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा जिससे आपके कई कार्य बुद्धिमता से पूर्ण होंगे तथा धनार्जन में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखकर समाज में आदर प्राप्त करेंगे।